



CB
8/1/80

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—वर्ण 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 6]
No. 6]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 12, 1986/माघ 23, 1907
NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 12, 1986/MAGHA 23, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असाधारण संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारतीय सह यक्त अधिकार अधिनियम (निराकारण)

अंजन रेंजः नागपुर

भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-प (1) के अधीन सूचना पं

नागपुर, 14 जनवरी, 1986

अन्तरण के लिए तथा पर्याय प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में व स्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई आय को बचत, उक्त अधिनियम के अधीन कर
देने के अन्तराक के दिल्ली में कमाए करने या उससे बचने में
मुविद्धा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्तित्वों को, जिसमें
भारतीय अधिकार अधिनियम, 1973 (1973 का 11) या
उक्त अधिनियम, या उम्मीद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगन व अन्तरिक्त हारां प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविद्धा के लिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त
अधिनियम को धारा 269-ग को उपधार (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थात्:—

अन्तराक

अन्तरितो

श्री विनयक रव गियरा द जोधों,
ओर अन्य, नागपुर।

जगन्नाथ जिवूजी करेमोरे
एस. बी. आय. बरयाट (म.प्र.)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए कार्यवाहिया करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तमाज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किंवदं अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्तकरा के प्रस लिखित से किये जाएं सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें अधुक्त व्यक्ति और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वहाँ 'व्यक्ति होगा, जो उक्त व्यायाम में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 13 और 14, मकान नं. 13 और 14 जो गरुदखाब में रोड रामटेक में स्थित हैं।

तिथि: 14-1-1986

मोहर :

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME TAX : AQUISITION
RANGE : NAGPUR**

**NOTICES UNDER SECTION 269-D(I) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 of 1961)**

Nagpur, the 14th January 1986

No. IAC/ACQ/43/24/85-86.—Whereas I, M. C. Joshi being the Competent Authority under Section 269B/269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have the reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot Nos. 13 & 14, house No. 13 & 14, Garudkhamb, Main Road, Ramtek. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office or in this office at Ramtek on 20-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object if :

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by

the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons namely :—

Transferor

Shri Vinayak Sadashiorao Joshi,
& others, Nagpur.

Transferee

Jagannath Jiwatuji Karemor,
S.B.I., Barghat, (M.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 13 & 14 house No. 13 & 14, Garud Khamb, Main Road, Ramtek.

Dated : 14-1-86

Seal

निर्देश नं. अयामी/अक्टवी/4/1/24/85-86—यह: मक्षे एम.सी. जोशी अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें द्वारा प्रकाशित अधिनियम कहा गया है, के धारा 269-ख के अधीन स्थावर सम्पत्ति को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. 161-1/2 विस्ता है, जो प्लट नं. 1 खाली नं. 76 भगव घर लेआउट धरमपेठ, नगपूर में स्थित है (और उसके नामवाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय नगपूर (ड्राइवर्स मं. 2815) में भार. रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित जार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्राप्तवैक्तिक सम्पत्ति के उचित जार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिष्ठित

से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यह गय प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से यक्ति स्थिति में व स्थितिक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से दूरी अ य क: य बहु, उसका अधिनियम के क्षेत्र कर देने के अन्तरक के वित्त में कमी करने य उससे बहु देने में सुविधा के लिए और/य

(ख) ऐसं किमो अ य य किसी धन य अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारत य अम्भार अधिनियम, 1941 (1941 क 11) य उक्त अधिनियम, य धनकर अधिनियम, 1957 (1957 क 27) के प्रयोगन थे अन्तरितों द्वार प्रकट नहीं किया गय था य किय जा. य यहि था, छिपने में सुविधा के लिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धार 260-ग के अनुसारण में, उक्त अधिनियम की धार 260-ग को उपषार (1) के अधान निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

अन्तरक

अन्तरिती:

मे. भागव धरहर्षे स्टोरेंज एड्स मे. फतेहपुरी इस्टेट प्रा.लि. प-36
कंस्ट्रक्शन इंडिय एक्सचेंज प्लेस, कलापाटा 1
कृ. वृत्त पूर्व, नगपूर।

को यह सूचन जा.रा. करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यव द्वारा करत है।

(क) इस सूचन के रजपत्र में प्रकाशन की तरत्त्व से 45 दिन का अवधि य तत्पर्य व्यक्तियों पर सूचन की तरत्त्व से 30 दिन का अवधि, जो या अवधि बहु में सम्पत्त हात हा, के भासर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचन के रजपत्र में प्रकाशन की तरत्त्व से 45 दिन के भासर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारहस्ताक्षर के पास लिखित से किये जा सकें।

स्पष्ट करण: इसमें अनुकूल यवदो अत्र पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यय 20-क में पारभायत है, वह अर्थ हावा, जा उस अध्यय में द्वय गय है।

अनुसूची:

1/3 इस्से प्लेट नं. 1 खातर नं. 76 म.मा सेम्बा भर्गव धर से अ.उट धरमपठ, न गपूर, मकान नं. 161 औरफल 30.08 स्केयर फिट।

तरंग: 14-1-1986

मोहर:

No. IAC/ACQ/42/24/85-86.—Whereas I, M. C. Joshi being the Competent Authority under Section 269B/269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act') have the reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing house No. 161, 1/2 undivided interest in plot No. 1 Kh. No. 76 Mouza Lendhri Bhagwagar layout, Dharampeth Nagpur area of 30208 Sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office or in this office at Nagpur on 27-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have the reason to believe that the fair market value of

the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object if :

- Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons namely.—

TRANSFEROR

M/s. Bhagwagar Investment & Construction Co. Hansapuri, Nagpur.

TRANSFeree

M/s. Fatehpuria Estate Pvt. Ltd.,
P-36, India Exchange Place, Calcutta-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided interest in plot No. 1, Kh. No. 76, Mauza Lendri, Bhagwagar layout, Dharampeth, Nagpur alongwith Municipal House No. 161, Standing thereon admeasuring an area of 30208 Sq. ft.

Dated : 14-1-1986.

Seal

निर्देश में, भारत, ए. स., अ/प्र/40/24/15-16—यह सुने एम. सो. जोको आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसने इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है, के द्वारा 269-ब के अधिन संक्षेप साधितारे को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी रो. मकान नं. 657 है, जो वार्ड नं. 60, प्लॉट नं. 4, विजयनगर, नागपुर में स्थित है (और उसके उपर्युक्त मन्दिरों में और पूर्ण रूप से बांधते हैं) रजिस्टर्टरी अधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेट सं. 268) में अन्तर्वार्ता अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अध्यन 29-5-1915 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से ज्ञान के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तर्वार्ता की गई है और सुने यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्त (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पापा गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है,

(क) अन्तरण से हुई आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अध्येन वार देने के अन्तरक के वापिस्त्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए, और/या,

(म) ऐसी किसी आय या किसी ज्ञान या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ज्ञानकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था—या किया जाना चाहिया था, छिपाने में सुविधा के लिए—

अब, अब, उक्त अधिनियम के द्वारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम के द्वारा 269-ग के उपचारा (i) के अध्येन निम्नलिखित अविकल्पों, प्रथात् :—

अधिकारी: राज सुरेन्द्रकुमार खन्ना, चैटनीस लै-प्राउट, छावनी, नागपुर (अन्तरक)

अधिकारी: मुनिरुस्सा इमारत द्वारा एस. सी. इ. हसन, मिर्ज़ा हाउस सदर नागपुर।

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिकारी को निए कार्यालयिता करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अवधि या तत्प्रत्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जोमें अवधि बाद में समाप्त होती है, के अंतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अंतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध निसी अथवा अपक्रिया द्वारा अधिकारी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

स्विकरण :—इसमें अनुसन्धान और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त है, वहाँ अधर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

शुनुवाव:

मकान सं. 657, प्लॉट नं. 4, प्लॉट क्लिपफल 3300 स्केवेनर फिट मकान बंधा हुआ 1100 स्केवेनर फिट वार्ड नं. 60, विजयनगर, नागपुर।

तारीख :—14-1-1986

मोहर:

No. IAC/ACQ/40/24/83-86.—Whereas I, M. C. Joshi being the Competent Authority under Section 269B/269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have the reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 657, Plot No. 4 Ward No. 60, Plot area 3300 Sq.ft. construction 1100 Sq. ft. Vijayanagar, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office or in this office at Nagpur on 29-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of :

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons namely :—

TRANSFEROR

Smt. Raj Surendrakumar Khanna
Chitanis Layout, Chhaoni, Nagpur.

TRANSFeree

Smt. Munirussa w/o Izharul
c/o. S. Z. Hasan Mirza house,
Sadar, Nagpur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter-XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 657, Plot No. 4, Plot area 3300 Sq.ft., Construction 1100 Sq. ft. Ward No. 60, Vijaynagar, Nagpur.

Date : 14-1-86

Seal

निर्देश नं. आय. ए. सो./अक्टूबर/41/24/85-86—यह नुम्बर एम. सी. जोशी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पापात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है, को धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसका म. 1/2 हिस्सा प्लाट नं. 1 है, जो खसरा नं. 76, मकान नं. 161, 30208 स्क्वे. फिट भगवाघर लेन्ड, धरमपेट नागपुर में स्थित है (और उसके ऊपर अनुमूल्य: मे और पूर्ण रूप से नापैत है), रजिस्ट्रेशन करने के कार्यालय नागपुर (डाकमेंट नं. 1942) में भारतीय रजिस्ट्रेशन करण अधिनियम 1908 (90: का 16) के अधीन 27-5-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए अन्तरिक्ष: के गई है और उसे यह विश्वास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का पद्धति प्रतिक्रिय से अधिक है और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्ष: (अन्तरिक्ष यों) के बंध ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिय, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इन्तरण से हुई आप को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरिक्ष के दायित्व में करनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे दिल्ली आय या किसी भल या प्रत्यन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिक्ष: द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए:

अतः, यदि, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम को धारा 269-वा का उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्याप्त:—

मै. भगवाघर इवेस्टमेंट एण्ड कंस्ट्रक्शन कं. दृश्यमान नागपुर।
(अन्तरिक्ष)

मै. फेस्पूरेंगा सम्प्रदाय प्रा. लि. पो-36 इंडिया एक्सचेंज लेस कलकत्ता-1।
(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यकालियों करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या अत्यन्तर्धी व्यक्तियों पर सूचना की सारीली में

30 दिन की प्रवधि, जो यह अवधि बाद, में समाप्त होती है, के मेरिये पूर्वोक्त व्यक्तियों में से निम्न व्यक्ति द्वारा,

(य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मेरिये उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए; अथवा व्यक्ति द्वारा अधिकारीकरण के पास निम्नलिखित से किये जा सकें।

स्वरूपकरण :—इसमें आपूर्त एवं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ पूर्ण होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनूस्तुती:

1/2 हिस्सा प्लाट नं. 1 खसरा नं. 76 भगवाघर लेन्ड, धरमपेट नागपुर मकान नं. 161, स्कॉफल 30208 स्कॉफल फ़िल।

एम. सी. जोशी, सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
प्रत्यंत रैंज़ : नागपुर

तारीख :—14-1-1986

मोहर:

No. IAC/ACQ/41/24/85-86.—Whereas I, M. C. Joshi being the Competent Authority under Section 269B/269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have the reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing $\frac{1}{2}$ undivided interest Plot No. 1 Kh. No. 76 Bhagwagar layout, Dharampeth House No. 161 admeasuring an area of 30208 Sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office or in this office at Nagpur on 27-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the

acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons namely :—

TRANSFEROR

M/s. Bhagwagar Investment & Construction Co. Hansapuri, Nagpur.

TRANSFeree

M/s. Fatehpuria Sons Pvt. Ltd., P-36
India Exchange Place, Calcutta-1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used, herein as are defined in Chapter-XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1 undivided interest in plot No. 1 Kh. No. 76 Mouza Lendhra Bhagwagar Layout Dharampeth, Nagpur alongwith Municipal house No. 161 standing thereon admeasuring an area of 30208 Sq. ft.

M. C. JOSHI, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Nagpur.

Date : 14-1-1986

Seal